GST NO. 07AAACE1747M1ZJ CIN U20299DL1986 NPL023253

EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

EPCH HOUSE, POCKET 6 & 7, SECTOR 'C', LOCAL SHOPPING CENTRE, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070

Tel: 91-11-26135256 **Email:** press@epch.com

Fax: 91-11-26135518,26135519 **web:** www.epch.in

PRESS RELEASE

REGIONAL TOYS FAIR INAUGURATED AT VARANASI

INDIAN TOYS ATTRACT VISITORS AT DEENDAYAL HASTKALA SANKUL

New Delhi – 27th May, 2022: The first Regional Toys Fair is being organised in Varanasi at Deendayal Hastkala Sankul Trade Facilitation Centre & Museum from 27-30 May, 2022 by the office of Development Commissioner Handicrafts, Ministry of Textiles, Govt. of India with the support of EPCH.

The fair was inaugurated by Smt. Mridula Jaiswal, Hon'ble Mayor of Varanasi as Chief Guest in the presence of Shri Shantmanu - Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, Govt. of India and Shri R. K. Verma - ED EPCH informed Dr. Rakesh Kumar, Director General EPCH.

The Mayor of Varanasi appreciated the efforts for this event and suggested to organise such events regularly at Varanasi. Shri Shantmanu, DC Handicrafts said that such initiatives by their department will help in realising the vision of Hon'ble Prime Minister of India to promote 'Handmade in India' especially for items such as toys with a thrust on 'Make in India' initiative.

Dr. Rakesh Kumar, DG EPCH further informed that around 100 toys exhibitors from 13 states are exhibiting their products and craftsmanship during the three days fair. The Nirmal toys from Telangana, Channapatna and Kinhal Toys toys from Karnataka, wooden toys from Varanasi and Chirakoot, Kathputli craft from Rajasthan, Asharikandi toys from Assam, dolls from Manipur are some of the major attractions for buyers.

The toys play and important role in the cognitive development of children and toy-based pedagogy can be used by parents to make their children learn. Toys help in understanding the cultural heritage of our country, and at the same time, strengthen the psychomotor and emotional development of their personality.

Indian Toys Industry is estimated to be $1.5 bn making up 0.5% of global market share. The toy manufacturers in India are mostly located in NCR, Maharashtra, Karnataka, Tamil Nadu and clusters across central Indian states. The sector is fragmented with 90% of the market being unorganized and 4,000 toy industry units from the MSME sector. The Govt. of India and the entrepreneurs are working closely in the direction to increase India's export share in global toy business that is worth over US$ 7 trillion informed Dr. Rakesh Kumar, DG EPCH.

EPCH is a nodal organisation responsible for promotion of exports of handcrafted products from India to various global destinations and project India's image abroad as a reliable supplier at competitive prices.

For more information please contact:

Mr. R. K. Verma, Executive Director – EPCH: +91 9810697868

Follow us on #epchindia

Copyright 2021 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.

प्रेस विज्ञप्ति

वाराणसी में क्षेत्रीय खिलौना मेला का उद्घाटन

दीनदयाल हस्तकला संकुल में भारतीय खिलौनों ने आगंतुकों को आकर्षित किया

नई दिल्ली – 27 मई 2022: वाराणसी के दीनदयाल हस्तकला संकुल (व्यापार केंद्र और संग्रहालय) में पहला क्षेत्रीय खिलौना मेला 27 से 30 मई, 2022 तक भारत सरकार, कपड़ा मंत्रालय के कार्यालय विकास आयुक्त हस्तशिल्प द्वारा हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है.

ईपीसीएच के महानिदेशक डॉ राकेश कुमार ने सूचित किया कि खिलौना मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में वाराणसी की महापौर श्रीमती मृदुला जायसवाल ने किया. इस अवसर पर भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) श्री शांतमनु और ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर.के.वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही.

वाराणसी की महापौर श्रीमती मृदुला जायसवाल ने मेला आयोजन के प्रयासों की सराहना की और वाराणसी में नियमित रूप से इस तरह के और आयोजन करने का सुझाव दिया. हस्तशिल्प विकास आयुक्त श्री शांतमनु ने कहा कि उनके विभाग द्वारा इस तरह की पहल से माननीय प्रधान मंत्री के 'हैंडमेड इन इंडिया' को बढ़ावा देने के विचार को साकार करने में मदद मिलेगी. इसके साथ ही 'मेक इन इंडिया' की पहल को भी बल मिलेगा.

ईपीसीएच के महानिदेशक डॉ. राकेश कुमार ने अपनी बात को विस्तार देते हुए कहा कि तीन दिवसीय मेले के दौरान 13 राज्यों के लगभग 100 खिलौने प्रदर्शक अपने उत्पादों और शिल्प कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं. तेलंगाना से निर्मल खिलौने, कर्नाटक से चन्नापटना और किन्हल खिलौने, वाराणसी और चिराकूट से लकड़ी के खिलौने, राजस्थान से कठपुतली शिल्प, असम से आशरीकंडी खिलौने, मणिपुर की गुड़िया वाराणसी के खरीदारों के लिए प्रमुख आकर्षणों में हैं.

खिलौने बच्चों के संपूर्ण और व्यक्तित्व विकास में हत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. खिलौनों पर आधारित शिक्षा का उपयोग माता-पिता अपने बच्चों को विभिन्न विषय और बातें सीखाने के लिए कर सकते हैं.

Copyright 2021 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.

खिलौने हमारे देश की स्कृतिक विरासत को समझने में मदद करते हैं. साथ ही उनके व्यक्तित्व के मानसिक और भावनात्मक पहलू के विकास को भी बल देते हैं.

भारतीय खिलौना उद्योग का अनुमान 1.5 अरब डॉलर है जो वैश्विक बाजार हिस्सेदारी का 0.5% है। भारत में खिलौना निर्माता ज्यादातर एनसीआर, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और मध्य भारतीय राज्यों के समूहों में स्थित हैं। खिलौनों के क्षेत्र का 90% बाजार असंगठित है और 4,000 खिलौना उद्योग इकाइयां एमएसएमई क्षेत्र से हैं। भारत सरकार और हमारे देश के उद्यमी वैश्विक खिलौना कारोबार में भारत की निर्यात हिस्सेदारी बढ़ाने की दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं, जिसकी कीमत 7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है, ईपीसीएच के महानिदेशक डॉ. राकेश कुमार ने जानकारी दी.

ईपीसीएच दुनिया भर के विभिन्न देशों में भारतीय हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धी कीमतों पर एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि बनाने के लिए जिम्मेदार एक नोडल संस्थान है.

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री आर के वर्मा , कार्यकारी निदेशक – ईपीसीएच: +91 9810697868

Copyright 2021 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.

PHOTO 1

PHOTO 2

Smt. Mridula Jaiswal, Hon'ble Mayor of Varanasi inaugurated the Regional Toys Fair as Chief Guest in the presence of Shri Shantmanu - Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, Govt. of India and Shri R. K. Verma - ED EPCH

PHOTO 3

Follow us on #epchindia

Copyright 2021 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.

Smt. Mridula Jaiswal, Hon'ble Mayor of Varanasi and Shri Shantmanu - Development Commissioner (Handicrafts) interacting with artisans at Deendayal Hastkala Sankul Trade Facilitation Centre and Museum, Varanasi

PHOTO 4

The Indian Toys stalls attracting visitors at Deendayal Hastkala Sankul Trade Facilitation Centre and Museum, Varanasi

Follow us on #epchindia

Copyright 2021 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.